



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 246] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 13, 1977/अग्रहायण 22, 1899

No. 246] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 13, 1977/AGRAHAYANA 22, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 13th December 1977

SUBJECT—*Import of Viscose/polynosic fibre, polyester fibre and viscose filament yarn to actual users. Import Policy for the period April, 1977—March, 1978.*

No. 117-ITC(PN)/77—Attention is invited to Remarks (4) and (8) against S No 51.01/03, 56.01/04 & 56.05/06 in Section II and also the provisions against S. Nos. 3-4 and 5A of Appendix 2 of the Import Trade Control Policy Book for April, 1977—March, 1978, as amended vide Public Notice No 52-ITC(PN)/77, dated the 25th July, 1977 and 74-ITC(PN)/77, dated the 20th September, 1977, in terms of which import of viscose/polynosic fibre, polyester fibre and viscose filament yarn/cuprammonium yarn, is allowed to certain specific categories of actual users.

2. On a further review of the position, it has been decided that powerloom permits issued by the All India Handloom Board or by the State Directors of Industries to units under their delegated powers, will be accepted by the licensing authorities.

3 The following amendments shall be made accordingly in Section II, page 42, and in Appendix 2, page 116 of the Import Trade Control Policy Book (Volume I) for the period April, 1977-March 1978.

- (1) The following additional remark (c) may be inserted under Remark (4) against S. No 51 01/03, 56,01/04 and 56.05/06 in Section II of the policy book —

“(c) powerloom permits issued by the All India Handloom Board or by State Directors of Industries under the powers delegated to them to issue such permits, will be accepted by the licensing authorities for purposes of issue of licences.”

- (2) The following additional remark (b) may be inserted under Remark (8) incorporated *vide* Public Notice No. 52-ITC(PN)/77, dated the 21st July, 1977 as amended *vide* Public Notice No 74-ITC(PN)/77, dated the 20th September, 1977.—

“(b) powerloom permits issued by the All India Handloom Board or by the State Directors of Industries under the powers delegated to them to issue such permits, will be accepted by the licensing authorities for purposes of issue of licences.”

- (3) The following remark (c) may be inserted against item numbers 3-4 in Appendix 2 of the policy book.—

“(c) powerloom permits issued by the All India Handloom Board or by State Directors of Industries under the powers delegated to them to issue such permits, will be accepted by the licensing authorities for purposes of issue of licences.”

- (4) The following remark may be inserted against item No 5A incorporated *vide* Public Notice No. 52-ITC(P.)/77, dated the 21st July, 1977, as amended *vide* Public Notice No 74-ITC(PN)/77, dated the 20th September, 1977.—

“(h) powerloom permits issued by the All India Handloom Board or by State Directors of Industries under the powers delegated to them to issue such permits, will be accepted by the licensing authorities for purposes of issue of licences.”

K. V SESHADRI,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1977

विषय.—वास्तविक उपयोक्ताओं के लिए विस्कोस/पोलिनोसिक फाइबर, पालिगुस्टर फाइबर एवं विस्कोस तन्तु धागे का आयात—अप्रैल, 77—मार्च, 78 के लिए आयात नीति ।

सं० 117-आई टी सी (पी एन)/77 —सार्वजनिक सूचना सं० 52-आईटीसी (पीएन)/77, दिनांक 25-7-77 एवं 74-आईटीसी (पीएन)/77, दिनांक 20 सितम्बर, 1977 द्वारा यथा सशोधित अप्रैल 77—मार्च 78 के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक के परिशिष्ट 2 की क्रम सं० 3-4 एवं 5 ए के सामने संकेतित व्यवस्थाओं और खण्ड-2 में क्रम सं० 51 01/03, 56. 01/04, एवं 56 05/06 के सामने दर्शाई गई टिप्पणी (4) एवं (8) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसके अनुसार वास्तविक उपयोक्ताओं की कुछ श्रेणियों को विस्कोस/पोलिनोसिक फाइबर, पालिगुस्टर फाइबर एवं विस्कोस तन्तु धागे / कपरेमोनियम धागे का आयात करने की स्वीकृति है ।

2 स्थिति की और आगे पुनरीक्षा करने पर यह निश्चय किया गया है कि अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड या राज्य उद्योग निदेशकों द्वारा उन्हे सौंपे गए अधिकारों के अन्तर्गत एकको को जारी किए गए शक्ति चालित करघा परमिट, लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा स्वीकार किए जाएंगे ।

3. तदनुसार, अप्रैल 77-मार्च, 78 अवधि के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक (वा० 1) के खण्ड-2 पृष्ठ 42 और परिशिष्ट 2, पृष्ठ 116, में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे :-

- (1) नीति पुस्तक के खण्ड-2 में क्रम सं० 51 01/03, 56 01/04, और 56. 05/06 के सामने टिप्पणी (4) के अन्तर्गत निम्नलिखित अतिरिक्त टिप्पणी (ग) को जोड़ा जाए —

“(ग) अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड या राज्य उद्योग निदेशकों द्वारा उन्हें सौंपे गए अधिकारों के अन्तर्गत जारी किए गए शक्ति चालित करघों के लिए परमिट लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार किए जाएंगे।”

- (2) सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पीएन)/77 दिनांक 20 सितम्बर, 1977 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 52-आईटीसी (पीएन)/77 दिनांक 21 जुलाई, 1977 में जोड़ी गई टिप्पणी (8) के अन्तर्गत निम्नलिखित अतिरिक्त टिप्पणी (ख) को जोड़ा जाए —

“(ख) अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड या राज्य उद्योग निदेशकों द्वारा उन्हें सौंपे गए अधिकारों के अन्तर्गत जारी किए गए शक्ति चालित करघों के लिए परमिट लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार किए जाएंगे।”

- (3) नीति पुस्तक के परिशिष्ट-2 में मद सं० 3-4 के सामने निम्नलिखित टिप्पणी (ग) को जोड़ा जाए —

“(ग) अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड या राज्य उद्योग निदेशकों द्वारा उन्हें सौंपे गये अधिकारों के अन्तर्गत जारी किए गए शक्ति चालित करघों के लिए परमिट लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी करने के लिए प्रयोजनार्थ स्वीकार किए जाएंगे।”

- (4) सार्वजनिक सूचना सं० 74-आई टी सी (पीएन)/77 दिनांक 20 सितम्बर, 1977 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 52-आईटीसी (पीएन)/77, दिनांक 21 जुलाई, 1977 में शामिल की गई मद सं० 5-क के सामने निम्नलिखित टिप्पणी को निविष्ट किया जाए :—

“(ज) अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड या राज्य उद्योग निदेशकों द्वारा उन्हें सौंपे गए अधिकारों के अन्तर्गत जारी किए गए शक्ति चालित करघों के लिए परमिट लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार किए जाएंगे।”

का० वें० शेवाद्रि,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

